वेदान्त सार टीका

No. ~~65~~ 42

वैद्य ...सार

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वे म ती ०३

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

वे॰ भा॰
टी॰
३१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वे. भ:
टी
७०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

इत्यावस्तुनश्चात्मनोविवर्तरूपस्य त्रिविधस्वरूपस्य
नमेन आमिन्द्रकेनैव वस्तुना भिन्नताः ॥ स्वस्य
स्वस्वरूपेण वस्तुतःस्व स्तुनेत्व यश्च वैशिष्ट्यश्च
ति, परिणामश्च विवर्तश्च वस्तुनि ॥ तत्र परिणा-
मश्चैव नाम वस्तुनो यथा तः स्वस्वरूपपरित्यागेन रू-
पान्तरापत्तिः। यथा दुग्धमेव स्वस्वरूपपरित्यागेन द-
ध्याकारेणाभाति ॥ विवर्तश्च वस्तुवस्तुनः स्व-
स्वरूपापरित्यागेन स्वरूपान्तरेणाभासप्रतीतिः ॥
यथा रज्जुः स्वरज्जुस्वरूपापरित्यागेन सर्पाकारे-
णाभासप्रतीतिर्भवति ॥ सर्वेषां त्रैशब्द्याप्रप-
ञ्चश्च नामपरिणामश्चैव नाशीलियतेन्यापि
वस्तुनोऽविकारित्वप्रसङ्गानिवृत्तिमिष्यप्र-
तः ॥ विवर्तश्च वशीकरणेन यंमेवः पुरुषा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रज्ञासमीरणेनोद्धृतचक्रेण तुर्यपञ्जीगतत्वे
प्रसृत्वं भवति ॥ तेन विसर्गस्पर्शेन समयगतेन नि
शपञ्जीगतेन उद्घाटितद्वादशान्तेन ततः कृते
नैपथितस्तत्त्वमूर्ध्वं भवति । तेनैव नादान्तेन
विततस्तत्त्वं सम्पूर्णं निष्कम्पं तत्र कृते नैपथि
तेषां तत्त्वतुर्यं प्रतीयमानं भवति ॥ तेन तुलस
गीतं प्रसूयमानं महितं भक्तेन कृते पञ्जी प
गते धपञ्जमन कृतेधलीनं मतुमरत्यवति
भूते तं निमपञ्जीगतं निकृतं निमज्ज निमन
गतं निमधुमम वयव भक्तलिङ्गमगीन
मुकलधपञ्जीगतकृतेधलीनं निठवति
ततपञ्जीगतं निमज्जनिमुन महितं निम
करतोन्नपथितस्तत्त्वलीनं निठवति

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

तद्धर्मलब्धो भवति ॥ स्वच्छन्दवृत्तिरेषु गो
तत्स्पर्शं वस्तुतं यस्तत्र पश्यति तन्मात्रं तत्त्वं तत्त्वं
विविक्तं मन्त्रं विवक्षया तद्धर्मलब्धो भवतीति
र्थः ॥ तद्धर्मवर्जितो भवति ॥ स्वच्छन्दमित्युद्धृत्य
स्पर्शतो ... विविक्षुं तत्र यस्तत्र पश्यति
तं मात्रं तत्त्वं यः पिण्डं वर्णकवर्गं वकभभ
तद्धर्मवर्जितो भवति ॥ उद्धृत्य तं यस्तत्र
स्वच्छन्दं तत्र वस्तुतं लीनं तत्त्वं तत्र पश्यति
तं मात्रं तत्त्वं यः पिण्डं वर्णं ...
स्वरूपं ... विवक्षया तद्धर्मवर्जितो
भवतीत्यर्थः ॥ तद्धर्मलब्धो भवति ॥ ...
स्पर्शतो ... वस्तुतं यस्तत्र पश्यति ...
... तद्धर्मलब्धो भवति ॥ स्वतः ...

[illegible]

[illegible]

उत्तेतद्ध्वंसासम्भवः ॥ ५ ॥ विशेष्य॰॰॰विशेष्यत्वावच्छ
त्वत्वात् ॥ विशेष्य॰॰॰विशेष्यतावच्छेदक [illegible] त्वस्य
घटत्वेन ज्ञाने संसर्ग [illegible] लविशिष्टज्ञान
प्रकारतासम्बन्धेन [illegible] लविशिष्टज्ञान [illegible]
[illegible] वत्त्वकत्वस्य विशेष्य॰॰॰विशेष्यत्वव ॥
[illegible] वत्त्वं विशेष्य॰॰॰स [illegible] वत्त्वं विशेष्यस [illegible]
[illegible] ज्ञानत्व [illegible] प्रकारतासम्बन्ध [illegible]
[illegible] ल [illegible] सम्बन्ध विशिष्टज्ञानत्व [illegible]
[illegible] विशिष्ट
[illegible]
[illegible]
त्वस्य विशेष्य॰॰॰ [illegible]
विशेष्यत्वस्य [illegible]
[illegible] विशिष्टज्ञान [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हमिणुभ्रमयतिउकुम भ्रमनमिहउजः॥लदा
णुतुमाद॥ ममपु मठममयेमविकल्पकन
मभ्रमनंव॥निविकल्पकममपु नठकले
नकुयम नमविकल्पकनम्हणमजिष्णुउय
धनभुहेवभ्रमनंममभ्रमःहेउजः॥धूकवि
ष्मउधूयेनिवाउुःछलमाद॥ मवेनविष्म
उधुवेनविकदिउं किउुंनिवउमीथवकमलंम
मपेषुमैउउुमहुंमवतिधुउेयमउमनिवि
कल्पकममपिदमुउे॥लयकिविष्मछवा
मजिउुंमैउउुंयमनिवउमीथवमनलमपे
षुमैउहेमहूमवतिधुउेउमनिविकल्पमम
पिविहुउजः॥लयमिविष्ममठवेउविचाउि
धूकरेमचाउुमक्षतिमाद॥ उहउुं।लयेम
भ्रुणयेक्षिउुंविदिधुंममयेद्रुनः।मकथयं
विछनीयदुमधूधुंनमलयेउ॥नभ्रम
येदूमंउउनिम्रमदःधूछ्यकवेकिउि॥धूंचे
कुनिदूलहुल्लयेछउेमतिउविचाउुजं
किउुंमभुंणयेम किउुणउछदुकियविदु